Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 15-12-2005

Participants : Rawat Prof. Rasa Singh

an>

Title : Need to introduce Lok Pal Bill in the Parliament at the earliest.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : उपाध्यक्ष महोदय, राट्र कवि स्वर्गीय मैथिलीशरण गुप्त जी ने एक बार कहा था :

" हम क्या थे, क्या हो गये और क्या होंगे अभी,

आओ मिलकर विचारें देश की समस्याएं सभी। "

मान्यवर, मैं देश के अंदर बढ़ते हए भ्रटाचार की ओर आपका ध्यान आकर्ति करना चाहूंगा कि लगभग 1968 से इस प्रकार के प्रयास चल रहे हैं कि देश में ऊपरी स्तर पर भ्रटाचार को मिटाने के लिए लोकपाल का बिल पार्लियामेंट में लाया जाए, उसे पारित किया जाए और लोकपाल नियम लागू करके, लोकपाल की नियुक्ति करके बड़े-बड़े पदों को उसके अंतर्गत किया जाए ताकि उनके द्वारा किये गये भ्रटाचार की जांच की जा सके। बड़े खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि अनेक बार सभी पार्टीज ने अपने-अपने मैनीफेस्टो में इसकी घोाणा की है, सभी ने अपना संकल्प दोहराया है और पार्लियामेंट में कई बार इस पर चर्चा भी हुई और 2001 में बिल भी पेश हुआ, स्टैंडिंग कमेटी को भी चला गया, सलाहकार समितियों में भी इस पर चर्चा हुई लेकिन फिर वही ढ़ाक के तीन पात वाली स्थिति रह गई। इसलिए मैं आपके माध्यम से पुन : यू.पी.ए. सरकार का ध्यान इस बात की ओर आकर्ति करना चाहूंगा कि " मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की।" जैसे-जैसे दवा कर रहे हैं, वैसे-वैसे सारे देश के अंदर बीमारी बढ़ती चली जा रही है। इसी प्रकार से एक उर्दू के शायर ने भी कहा था:

" गुलिस्तां बर्बाद करने को एक ही उल्लू काफी है,

अंजाम-ए-गुलिस्तां क्या होगा जहां हर शाक पर उल्लू बैठा है। "

ऐसी स्थिति में जब एक अच्छा आदर्श प्रस्तुत करने के लिए, सुशाशन पैदा करने के लिए, भ्रटाचार मिटाने के लिए और जनहित की भावना के अंदर, जनता की भावना का आदर करते हुए लोकपाल बिल जल्दी संसद में लाया

जाए और इसे पारित कराकर लोकपाल कानून लागू किया जाए ताकि लोकपाल के अंदर सभी पद- प्रधान मंत्री से लेकर सारे पद उसके अन्तर्गत लाए जाएं और जांच की जा सके जब भी कोई शंका हो और इस तरह से शंका का निवारण हो सके तथा देश के अंदर क्लीन एडमिनिस्ट्रेशन स्थापित हो सके।